अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल का राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न

''सत्य की खोज करते हुए विकास के पथ पर निरंतर गतिशील रहें''

- आचार्यश्री महाप्रज्ञ

लाडनूं, 7 अक्टूबर, 2009।

जैन विश्व भारती के सुधर्मा सभा में आयोजित अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल के 34वें वार्षिक अधिवेशन में आयोजित महिला मण्डल के दायित्व हस्तांतरण, प्रतिभा पुरस्कार व श्राविक गौरव अलंकरण समारोह के दौरान आचार्य महाप्रज्ञ ने अपने उद्‌बोधन में फरमाया कि सब लोग संकल्प करें कि केवल सामायिक सत्य में ही नहीं जीना है, हम लोग सत्य की खोज करें। आचार्य प्रवर ने फरमाया कि जो विकास अब तक किया है उसे विकास का प्रारंभ मानने का अनुभव करते रहं तभी और आगे विकास संभव हो सकता है। हमारी सीमाएं है लेकिन हमें और अधिक व्यापक में जाना है।

महिला मण्डल निरंतर गति कर रही है लेकिन उनमें ऐसा भी अहंकार न हो कि बहुत विकास कर लिया। वे यह अनुभव करें कि विकास की यात्रा बहुत लंबी है और विकास करना है, क्योंकि आज ज्ञान बहुत बढ़ गया और व्यवस्थाएं भी बहुत आगे बढ़ गई है।

आचार्यप्रवर ने राजप्रभा दस्साणी को श्रद्धाशील एवं मंजू नाहटा को धार्मिक और कलाकार महिला बताते हुए फरमाया कि मैं अनुभव करता हूं हमारी समाज की महिलाओं में चिंतनशील कार्यकुशल महिला है।

युवाचार्यप्रवर ने अपने उद्‌बोधन में फरमाया कि मनुष्य को अपने गंतव्य का निर्धारण करना चाहिए उसे कहा पहुंचना है, इस निश्चय के बाद उसे अपना मार्ग तय करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संस्थागत संगठन में उचित दिशा-निर्देश और शक्ति समाविश्ट होती है। जरूरत है कि संस्था में लोकतांत्रिक ढंग से नेतृत्व को संभालने वाले अपने कार्यकाल में निष्ठापूर्णक श्रेश्ठतम कार्य करें क्योंकि व्यक्ति आते हैं और चले जाते हैं लेकिन उनका कार्य मुखर रहता है।

साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा ने अपने सम्बोधन में महिलाओं की भूमिका को सारे समाज में महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यदि महिलाएं अपने जीवन को अच्छा बनाए और लक्ष्य उच्च रखे तो उसका परिवार सुखी रहेगा, बच्चे संस्कारित होंगे और समाज श्रेष्ठ बनेगा। उन्होंने महिला मण्डल की बहनों की एकत्व भावना की सराहना करते हुए कहा कि अपने जीवन में और परिवार में जैन जीवन शैली को वे महत्व दें तथा लक्ष्य को हासिल करें। राश्ट्रीय महिला अधिवेशन के आठवें अंतिम सत्र में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल की नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती कनक बरमेचा ने महिला सम्मान, उनकी शक्ति और ऊर्जा के बल पर अन्तर्राश्ट्रीय स्तर पर संगठन को एक पहचान देने का संकल्प प्रकट किया तथा प्रारंभ निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शोभाग बैद ने नवगठित कार्यकारिणी का अभिनंदन किया। कार्यक्रम का आरंभ मंगलाचरण से हुआ। महिला मण्डल की महामंत्री वीणा बैद ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती पुश्पा बैंगानी ने किया।

राजप्रभा प्रतिभा पुरस्कार से व मंजू नाहटा श्राविक गौरव अलंकरण से सम्मानित

समारोह में महिला वर्ग के लिए विशेष कार्य करने के लिए सुश्री राजप्रभा दस्साणी को सीतादेवी सर्राफ प्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित किया। इस पुरस्कार में उन्हें महिला मण्डल की राष्ट्रीय अध्यक्ष कनक बरमेचा, निवर्तमान अध्यक्ष सौभाग बैद व महामंत्री वीणा बैद ने 51 हजार रुपये का चेक व सम्मान पत्र भेंट किया। सुश्री दस्साणी पुरस्कार राशि में अपनी तरफ से 50 हजार रुपये और सम्मिलित करके सामाजिक सहयोग के लिए महिला मण्डल को पुनः भेंट कर दिए।

इस अवसर पर श्राविका गौरव पुरस्कार जैन दर्शन की विशेषज्ञ चित्रकार एवं सुश्राविका श्रीमती डॉ. मंजू नाहटा को प्रदान किया गया। ट्रस्टी श्रीमती तारा सुराणा ने सम्मान पत्र का वाचन किया। इस अवसर पर आर्थिक सहयोग प्रदानकर्त्ता श्री बिमलजी नाहटा, श्री बिजयसिंह, श्रीमती विजया-सारिका मालू, श्रीमती सुशीला पटावरी व शिलोंग के लुणिया परिवार आदि को नवनिर्वाचित अध्यक्षा कनक बरमेचा, सौभाग बैद व वीणा बैद ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समारोह में श्री कमल बैद, श्री तराचंद रामपुरिया, कन्हैयालाल छाजेड़ व श्री रतनलाल चौपड़ा को विशिष्ट सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष कनक बरमेचा ने कार्यभार संभाला

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल के 34वें राश्ट्रीय वार्षिक महिला अधिवेशन में संपन्न चुनावों में सर्वसम्मिति से राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर श्रीमती कनक बरमेचा को निर्वाचित किया गया। निर्वाचन से पूर्व कार्यरत राष्ट्रीय कार्य समिति ने सामूहिक रूप से अध्यक्ष श्रीमती सौभाग बैन के नेतृत्व में पद का विसर्जन किया। कोषाध्यक्ष श्रीमती कल्पना बैद ने संस्था के आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती बरमचो को राश्ट्रीय कार्यकारिणी के गठन का अधिकार दिया जिसमें उन्होंने महामंत्री पद पर श्रीमती वीणा बैद को पुनः महामंत्री पद पर मनोनीत किया। निर्वाचन सत्र का संचालन श्रीमती पुष्पा बैद ने किया जिसके बाद 7वें सत्र में ऋशभद्वार में साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा के सान्निध्य में नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा आओ सृजन के नए स्वस्तिक सजाएं विशय से भविष्य की योजनाएं प्रस्तुत की गई तथा नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती कनक बरमेचा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। पूर्व राश्ट्रीय कार्यसमिति द्वारा नवोदित नेतृत्व का गायन द्वारा स्वागत किया गया। श्रीमती सरोज टांटिया ने आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम का संचालन श्रीमती कल्पना बैद ने किया।

अस्मिता के स्वर औति का लोकार्पण

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल की पूर्व अध्यक्षा श्रीमती सायर बैंगानी ने 'अस्मिता के स्वर' लोकार्पण हेतु आचार्यश्री महाप्रज्ञ को अर्पित की। श्रीमती सायर बैंगानी ने इस औति के संदर्भ में जानकारी देते हुए कहा कि इस संग्रह में सामाजिक, पारिवारिक, सांस्औतिक और समसामयिक समस्याओं पर सारगर्भित एवं महत्त्वपूर्ण लेखों के द्वारा महिला जगत को सही सार्थक शिक्षा की तरफ बढ़ने की प्रेरणा दी गई है। उन्होंने युवाचार्यवर, साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा आदि को औति की प्रतियां भेंट की।